प्रतिवेदन : दि.12 मई 2023

राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति के राजभाषा कक्ष एवं हिंदी विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित द्वि-दिवसीय हिंदी कार्यशाला

दि.11-12 मई 2023

कार्यालयी हिंदी एवं कंप्यूटर अनुप्रयोग

(Official Hindi and Computer Applications)

आयोजक एवं संसाधन व्यक्ति

डॉ.वेदप्रकाश बोरकर

एम.ए.हिंदी, एम.ए.संस्कृत,नेट(हिंदी),एम.फिल.,पी.एच.डी, पीडी.एफ.,
एम.एड, एम.एम.सी, पी.जी.डी.एच.ई, पी.जी.डी.टी.,डी.एस.एम.

सहायक आचार्य, हिंदी विभाग,
राजभाषा सदस्य, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति

: हिंदी कार्यशाला स्थल :

रमारंजन मुखर्जी सभागृह, शैक्षिक भवन, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति

हिंदी ई-टूल्स कंठस्थ 2.0 ई-अनुवाद से प्रशासनिक कार्य अब और सरल सटीक

- डॉ.वेदप्रकाश

राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति के राजभाषा कक्ष एवं हिंदी विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित द्वि-दिवसीय हिंदी कार्यशाला दि.11 मई 2023 से 12 मई 2023 तक 'कार्यालयी हिंदी एवं कंप्यूटर अनुप्रयोग इस विषय पर कार्यक्रम के आयोजक एवं संसाधन व्यक्ति, प्रमुख वक्ता डॉ.वेदप्रकाश बोरकर, सहायक आचार्य, हिंदी विभाग एवं राजभाषा सदस्य ने स्लाईड तथा अंर्तजाल प्रस्तुतीकरण द्वारा राजभाषा प्रशासनिक ई-अनुवाद हेतु आवश्यक हिंदी टूल्स की उपयोगिता एवं हिंदी के महत्त्वपूर्ण सॉफ्टवेयर को कुशलतापूर्वक उद्घाटित किया।

द्वि-दिवसीय हिंदी कार्यशाला में सम्मिलित मा.श्री.वाइ.वी.कृष्णराव, उपकुलसचिव, प्रशासन एवं अन्य कर्मचारी तथा अधिकारियों के साथ संसाधन व्यक्ति डॉ.वेदप्रकाश बोरकर

प्रस्तुत द्वि-दिवसीय हिंदी कार्यशाला के तकनीकी एवं प्रायोगिक सत्र में प्रतिभागी के रूप में राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति के कुलसचिव कार्यालय, प्रशासन एवं स्थापना अनुभाग, शैक्षिक अनुभाग, अभियांत्रिकी अनुभाग, कंप्यूटर अनुभाग, ग्रंथालय विभाग तथा छात्रावास अनुभाग के कर्मचारी एवं अधिकारी वृंद सम्मिलित हुए थे। यह तकनीकी प्रशिक्षण प्रशिक्षार्थियों को हिंदी ई-अनुवाद एवं तकनीकी अनुप्रयोग में दक्षता एवं कौशल विकसित करने पर केंद्रीत था।

विशेषतः अंर्तक्रियात्मक द्वि-दिवसीय हिंदी कार्यशाला दि.11 मई 2023 के प्रथम तकनीकी सत्र में डॉ.वेदप्रकाश ने हिंदी उन्नयन एवं संवैधानिक दायित्व के प्रकाश में प्रशासनिक ई-शब्दावली को विस्तार से उजागर किया।

इस प्रशिक्षण के अंतर्गत - कार्यालयी हिंदी : मसौदा एवं टिप्पणी लेखन, कंप्यूटर में हिंदी के विभिन्न प्रयोग : ई-टूल्स, ई-महाशब्दकोश, हिंदी फॉण्ट का अनुप्रयोग - यूनिकोड, ई-अनुवाद एवं हिंदी कुंजीपटल का स्वरूप, हिंदी में एम.एस. ऑफिस, पॉवरप्वॉइंट का परिचय एवं अभ्यास अंर्तजाल के माध्यम से प्रायोगिकरूप से प्रस्तुत किया। उन्होंने इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि 'कंठस्थ 2.0' स्मृति आधारित अनुवाद सॉफ्टवेयर यह सिस्टम भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन राजभाषा विभाग के लिए विकसित किया गया है। इस प्रणाली के माध्यम से अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद संभव है।

प्रशिक्षार्थियों को मायक्रोसॉफ्ट 365 से ई-अनुवाद करना कितना सरल एवं सटीक कार्य है, यह प्रशिक्षण द्वारा अवगत किया गया। सभी हिंदीतर भाषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी भाषा का कार्यसाधन ज्ञान हों अतः कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करने के लिए बेसिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

वक्ता ने राजभाषा वेबसाइट पर उपलब्ध ई-टूल्स, हिंदी शब्द सिंधु, हिंदी स्वयं शिक्षण के अंतर्गत- लीला, प्रबोध, प्रवीण तथा प्राज्ञ परीक्षा की विषयवस्तु पर सम्यक् प्रकाश डाला। साथ ही ई-सरल हिंदी वाक्यकोश, हिंदी प्रोत्साहन योजनाएँ, राजभाषा गौरव पुरस्कार, हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन के लिए राजभाषा गौरव पुरस्कार योजना, पत्रिकाओं हेतु राजभाषा कीर्ति पुरस्कार की लाभदायी जानकारी प्रदान की।

अंर्तक्रियात्मक द्वि-दिवसीय हिंदी कार्यशाला के द्वितीय तकनीकी सत्र में संसाधन व्यक्ति, वक्ता डॉ.वेदप्रकाश प्रतिभागियों से संवाद करते हुए। (दि.12 मई 2023)

प्रतिभागियों को अत्यंत उपयोगी अंग्रेजी-हिंदी द्विभाषा में प्रशासनिक शब्दावली, लेखा एवं लेखा परीक्षा शब्दावली, वाणिज्य परिभाषा कोश, पुस्तकालय एवं सूचना परिभाषा कोश, कंप्यूटर शब्दावली, कार्यालयीन वाक्यांश, पत्र व्यवहार में आने वाले सामान्य वाक्यांश, नेमी टिप्पणियाँ, दैनिक प्रयोग की प्रशासनिक अभिव्यक्तियाँ को पाठ्यसामग्री लिखित एवं सॉफ्ट प्रतियाँ प्रदान की। उपयोगी इंटरनेट वेब स्रोतों की जानकारी प्रदान की गई। प्रतिभागियों ने हस्तांतरित प्रशासनिक शब्दावली का विधिवत् अभ्यास किया।

प्रतिभागी को हिंदी ई-टूल्स द्वारा ई-अनुवाद करने का प्रशिक्षण देते हुए संसाधन व्यक्ति डॉ.वेदप्रकाश

प्रतिभागी को हिंदी स्वयं शिक्षण - लीला - प्रबोध, प्रवीण तथा प्राज्ञ की विषयवस्तु से लाभान्वित करते हुए प्रमुख वक्ता

कार्यशाला में तकनीकी गतिविधियों के अंतर्गत उपस्थित कर्मचारियों एवं अधिकारियों हिंदी में टंकन करने हेतु गूगल इंनपुट टूल का अनुप्रयोग पर प्रकाश डाला गया। वक्ता द्वारा कंप्यूटर पर हिंदी टंकण का प्रशिक्षण सरलता से प्रदान किया गया। हिंदी कार्यशाला के अंतिम चरण में सम्मिलित सभी प्रतिभागियों से हिंदी में लिखित प्रतिपृष्टि सुझाव एवं समीक्षा प्राप्त की गई।

इस हिंदी कार्यशाला में प्रतिभागी के रूप में राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य मा.श्री.वाइ.वी.कृष्णराव, उपकुलसचिव, प्रशासन अनुभाग, एम.उषा, सहायक कुलसचिव, प्रशासन अनुभाग, के.समकीर्ति, तकनीकी सहायक, कंप्यूटर अनुभाग, जे.हरीनारायण ग्रंथालय अनुभाग, पी.बालसुब्रमण्यम, सहायक, शैक्षिक अनुभाग, पी.के फणी वर्मा, प्रबंधक छात्रावास, जी.कृष्ण सिम्हा रेड्डी निजी सचिव, कुलसचिव कार्यालय, डॉ.वंसता, उप-पुस्तकालय अध्यक्ष, ग्रंथालय अनुभाग, वै.शिरीषा, अवर श्रेणी लिपिक, प्रशासन अनुभाग, भरणी कुमार टि.एस, सहायक अभियंता, अभियांत्रिकी विभाग, ओ.कृष्णप्रसाद, अवर अभियंता, अभियांत्रिकी विभाग तथा डॉ.टी लता मंगेश, संपर्क अधिकारिणी, राजभाषा कक्ष आदि उपस्थित थे।

कार्यशाला के समापन में कार्यालयी हिंदी एवं कंप्यूटर अनुप्रयोग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु आदरणीय उपकुलसचिव जी के करकमलों द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया।

मा.श्री.वाइ.वी.कृष्णराव, उपकुलसचिव जी को प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए
संसाधन व्यक्ति डॉ.वेदप्रकाश बोरकर

मा.उपकुलसचिव जी श्री.समकीर्ति को प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए

मा.उपकुलसचिव जी श्रीमति एम.उषा को प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए

मा.उपकुलसचिव जी श्री.जी.कृष्णा सिंम्हा रेड्डी को प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए

मा.उपकुलसचिव जी श्री.पी.बालसुब्रमण्यम को प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए

मा.उपकुलसचिव जी वै.शिरीषा को प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए

मा.उपकुलसचिव जी संसाधन व्यक्ति डॉ.वेदप्रकाश बोरकर को
स्मृतिचिह्न से सम्मानित करते हुए